

सकृत्तो यङ्कः RV. 8, 49, 13. sonst stets im voc. 1, 26, 10. 74, 5. 79, 4. 8, 73, 5.

यङ्क adj. (f. ई) nach Naigh. 3, 3 so v. a. मङ्कत् gross; etwa in fortwährender Bewegung oder Thätigkeit befindlich, rastlos; continuus, beständig; von Gewässern u. dgl. beständig fließend, jugis. So heisst Agni RV. 1, 36, 1. 3, 1, 12. 2, 9. 3, 8. पाति यङ्क शर्यां सूर्यस्य 3, 5. 28, 4. 4, 3, 2. 7, 11. 5, 16, 4. 7, 6, 5. 8, 2. 10, 92, 2. 110, 3. Rudra 8, 13, 24. Soma: अभि प्रियाणि पवते चनेाकितो नामानि यङ्का अधि येषु वर्धते 9, 73, 1. वयो डडके पयोसि यङ्का अदिरेरदाभ्यः 10, 11, 1. यङ्का इव प्र वयामुज्जिह्वानाः प्र भानवः सिद्धते नाकमच्छ् 5, 1, 1. मनस् 8, 13, 20. 4, 3, 6. गिरः 1, 59, 4. सूर्यं कृतिः सप्त यङ्कीर्वहति 4, 13, 3. ग्रापः 5, 29, 2. अरुणीः 10, 99, 4. सप्त स्रवतः 1, 71, 7. उर्मयः 4, 38, 7. नद्यः 9, 92, 4. — f. pl. fließendes Wasser Naigh. 1, 15. यङ्काधोपधीषु वित्तुं 7, 56, 22. 70, 3. सप्त 1, 72, 8. 3, 1, 4. दिवः 6, 9. 2, 33, 9. 14; vgl. 9, 33, 3. — du.: यङ्का कृतस्य मातरा Bez. von Tag und Nacht, Himmel und Erde RV. 1, 142, 7. 5, 3, 6. 41, 7. — 6, 17, 7. 10, 39, 8 (vgl. 93, 1); vielleicht die beiden Hände 9, 102, 7. — यङ्क UNADIS. 1, 154. m. = यजमान UGÉVAL.

यङ्कत् adj. f. यङ्कती so v. a. यङ्क. ग्रापः RV. 1, 103, 11. 9, 113, 8.

1. या. याति DHĀTUP. 24, 41. partic. यात्, gen. यातैस्; याहि; अयुस् und अयान् P. 3, 4, 114, Sch.; यौ, ययाव, ययिम 6, 1, 196, Sch. 7, 2, 61, Sch., ved. ययै 2. pl.; ययिवैस्; अयासीत् P. 7, 2, 73. अयासुस्, यासत्, यासिष्ठम्, यासीष्ट 2. pl.; यास्यति, याता P. 7, 2, 61, Sch.; aus metrischen Rücksichten auch med.; infin. यातुम्, यातवे, यातवै (P. 3, 4, 9). 1) fahren (in weiterem Sinne), gehen, ziehen, marschiren; überh. sich in Bewegung setzen, reisen; fortgehen: यङ् याति मरुतः RV. 1, 37, 13. अयं वातो अन्तिनेण याति 161, 14. आश्रुभिश्चिद्यान् 2, 38, 3. रथेन 6, 62, 10. शुची ते चक्रे यात्याः 10, 83, 12. नहि स्वर्यतुया यातमस्ति einspännig ist nicht ordentlich gefahren 131, 3. नाविव यातम् 3, 32, 14. 33, 2. इन्द्रेण याव स्रथम् 60, 4. याहि रात्रिवामवौ श्वेन 4, 4, 1. इन्द्रो यातो ऽवसितस्य रात्रो des Reisigen und des Rastenden 1, 32, 15. 4, 23, 8. त्रियतो यातो अघ्नना 8, 72, 6. श्लोकौ न याताम् 10, 12, 5. अरिष्टो याति प्रथमः सिपासन् 5, 31, 1. 61, 2. मित्रस्य यायां यथा 64, 3. पन्थो सूर्यस्य यातवे 8, 7, 8. AV. 13, 1, 24. 2, 28. 12, 1, 47. कृतिो यातवे रथे वृकतीर्युक्त 13, 2, 8. AIT. Br. 4, 27. यथैकतश्चक्रेण यायातादक्तु 3, 30. ÇĀT. Br. 13, 3, 3, 9. प्राक्के यस्तस्यामानो यात् 1, 3, 1, 12. 5, 3, 2, 3. KĀR. ÇĀ. 7, 9, 18. 15, 6, 16. — यातो दृदशुरायात्तं द्रापरम् MBH. 3, 2239. R. 1, 3, 2. 2, 33, 6. 38, 6. वेगवान्नाघवो यौ 3, 50, 5. अन्वगयौ RAGH. 2, 16. fg. 3, 25. अग्रतो लहमणाः यातः R. 2, 39, 4. यतो यास्ये सानुगा यातु मामनु BULG. P. 9, 18, 28. तस्यानुपदं यौ VER. in LA. (III) 23, 8. तया यातं (impers.) यच्च नितम्बयोगुरुतया मन्दम् ÇĀK. 33. येनास्य पितरो याता येन याताः पितामहाः। तेन यायात्सतां मार्गम् M. 4, 178. उत्पत्य नभसां यौ KATHĀS. 18, 165. रथेन P. 8, 1, 60, Sch. यानेन खरयुक्तेन R. 2, 69, 18. येन (विमानेन) यामि विहायसा 3, 34, 6. संयच्छ् वाजिनो रश्मीन्सूत याहि शनैः शनैः 2, 40, 22. 32. 70, 29. वृकति शिविकामन्ये यात्यन्ये शिविकागताः Spr. 4699. इवमानो ययावधौ KATHĀS. 32, 329. नोदके शकटं याति Spr. 2343. एष याति शिवः पन्थाः MBH. 3, 2824. शिरा याति die Adern laufen VARĀH. BRH. S. 34, 62. von der Bewegung der Gestirne (यात gegangen, stehend) 4, 5. 18, 1. 2. 24, 29. कुटिलं याता (उल्का) 33, 29. hingehen HARIV. 10067 (med.). kommen: नो याति मित्राणि च Spr. 3381. marschiren, gegen den Feind ziehen M. 7, 183. gehen, auf-

VI. Theil.

brechen, fortgehen, sich entfernen MBH. 3, 2760. 2793. 5, 7337. R. 1, 17, 32. ÇĀK. 81. भूय अयाहि याहि Spr. 1379. याताः किं न मिलति 2403. यातु यातु किमनेन तिष्ठता 2464. MRĀKĪH. 33, 10. RAGH. 3, 67. KATHĀS. 11, 28. 18, 35. BULG. P. 3, 1, 16. 16, 29. आश्रममण्डलात् R. 3, 48, 6. कर्म्यतः Spr. 403. KATHĀS. 32, 229. विमुखो ऽधी न याति मे 41, 18. अर्थिनाम् u. s. w. पराञ्चलः। यो न याति Spr. 3601. मृतं शरीरमुत्सृज्य — विमुखा वान्धवा याति M. 4, 241. यात gegangen, fortgegangen MBH. 3, 2297. R. 4, 34, 21. 5, 89, 16. BULG. P. 9, 20, 38. पलाय्य या flicien KATHĀS. 12, 114. 48, 87. 90. तेनैव यातः यथा entschlüpfte (eine Schlange) Spr. 2012. जीवञ्चैव न यास्यति lebendig entkommen R. 3, 36, 11. 6, 83, 11 (med.). अतृप्ता मानवाः सर्वे याता यास्यति याति च zu Grunde gehen Spr. 1303. 2070. स वै देहस्तु पारुष्यो भङ्गुरो यात्युपैति च BULG. P. 7, 7, 43. यात्येतस्य हि नासवः entfliehen KATHĀS. 23, 143. तेन प्राणा न याति मे 36, 156. PAÑKĀT. 70, 6. अत्रशयं यातारश्चिरतरमुपित्वापि विषयाः von dämmen gehen Spr. 243. धनानि भवति याति 3129. 1399. शशिना सह याति कौमुदो 2970. (अर्थः) अन्वयास्माकं प्राणैः सह यास्यति PAÑKĀT. 97, 14. भयं महन्मङ्कदयान्न याति वै R. 2, 69, 21. यौ तेजस्वती देव्या मनसश्च महाश्चरः KATHĀS. 18, 120. 29, 167. यातविवेकं SARVADARÇANAS. 101, 4. वहिस् hinausgehen KATHĀS. 28, 143. Spr. 3337. BULG. P. 4, 29, 8. अघस् hinuntergehen, sinken 3, 30, 11. Spr. 2463. स्वस्ति mit heiler Haut davonkommen BULG. P. 3, 18, 3. तेमेषां dass. Spr. 734. खण्डशस् in Stücke gehen, entzweigen KATHĀS. 37, 46. 77, 92. दशशस् dass. 19, 109. शतधा in hundert Stücke gehen 61, 315. सहस्रधा in tausend Stücke gehen MBH. 7, 2534. यात्राम् einen Marsch unternehmen, aufbrechen M. 7, 182. R. 2, 72, 27. गतिम् einen Weg gehen, — einschlagen: यां प्रुरा गतिं याति so v. a. wohin sie gelangen DAÇ. 2, 40. गतिं मुनेर्यामि BULG. P. 6, 11, 21. यामः स्वपुण्यवित्तितां गतिम् BHĀṬṬ. 4, 6. परमां गतिम् M. 6, 93. परां गतिम् R. Einl. 2. अथोगतिम् M. 3, 17. 52. दण्डव्युक्तेन तं मार्गं यायात् marschire M. 7, 187. रथेन यौ मार्गम् RAGH. 2, 72. अघानम् R. 2, 49, 16. पन्थानम् 36, 4. स पन्थाश्चित्रवृष्टस्य यातः सुवडुशो मया 33, 9. मरुपरियाते पथि gewandelt 60, 22. पूर्वधामानुपूर्व्येण यातं वर्तमानुयामहे MBH. 1, 7246. पदवीम् BULG. P. 7, 14, 1. अथे याति रथस्य रेषुपदवीं चूर्णाभिव्रतो घनाः VIKR. 4. यात u. Gang, incessus: मम यातमनुवर्तमान् एतं AV. 3, 8, 6. 10, 8, 8. VARĀH. BRH. S. 68, 115. 86, 6 (oft mit यान verwechselt). der Ort, wo Jmd gegangen ist: इदं यातं रमापते: Vop. 26, 130. — 2) verstreichen, vergehen, verlaufen, verfließen (von der Zeit): चतुर्दश हि वर्षाणि — त्रणभूतानि यास्यति R. 2, 32, 52. 3, 22, 12. 7, 99, 19. Spr. 309. 421. 1138. 2432. KATHĀS. 1, 63. 34, 173. 46, 29. RĀĒA-TAR. 1, 193. 244. 3, 364. KĀURAP. 37. जरसा यात्युत्तमं यौवनम् Spr. 341. आयुर्याति दिने दिने 4938. यात्रास्वेव वयो यौ RĀĒA-TAR. 4, 131. यात verstrichen u. s. w. HARIV. 7711. R. 2, 33, 2. 4, 49, 7. Spr. 193. 2070. VARĀH. BRH. S. 77, 3. KATHĀS. 18, 206. 20, 72. 22, 98. 24, 170. 43, 317. 51, 185. 52, 30. RĀĒA-TAR. 1, 52. MĀRK. P. 110, 30. BHĀṬṬ. 7, 89. यातं वयः Verz. d. Oxf. H. 130, b, 6. नवमो ऽङ्कः der 9te Act ist zu Ende 143, b, No. 293. यातमनागतं च das Vergangene und das Zukünftige VARĀH. BRH. S. 68, 1. — 3) gehen so v. a. auf eine best. Entfernung (acc.) reichen, sich erstrecken: पञ्च (यज्ञानानि) अर्धानां गतिं याति शब्दः VARĀH. BRH. S. 30, 32. für eine best. Zeit (acc.) hinreichen: मासमेको नरो याति द्वौ मासौ मृगसूकरौ Hir. I, 158. — 4) gehen so v. a. von Statten gehen, gelingen, zu Stande

7